संपादकीय

दबाव नहीं, कारोबार

भारत और अमेरिका के व्यापार वार्ताकारों के बीच नई दिल्ली में चली दो दिन की बैठक शुक्रवार को बिना कोई नतीजा दिए खत्म हो गई। अब सबकी नजरें वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की अगले महीने प्रस्तावित अमेरिका यात्रा पर टिक गई है। उम्मीद जताई जा रही है कि उनकी यात्रा के दौरान दोनों पक्षों में सहमति बना ली जाएगी, हालांकि उस प्रस्तावित यात्रा की तारीख भी अभी तय नहीं हुई है। प्रतिनिधियों की इस बैठक से उम्मीद इसलिए बनी हुई थी क्योंकि इसकी जमीन जापान में पिछले महीने जी-20 की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की मुलाकात में तैयार हुई थी।

तब ट्रंप ने यहां तक कह दिया था कि भारत के साथ एक बहुत बड़ी ट्रेड डील होने वाली है। लेकिन उसके बाद हालात फिर से उलझने लगे और दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत शुरू होने से ठीक पहले ट्रंप ने ट्वीट कर कहा कि अमेरिकी सामानों पर भारत का ऊंचा शुल्क अब और मंजूर नहीं किया जा सकता। जाहिर है, बातचीत की नाकामी के पीछे अमेरिका का यही अड़ियल रुख है। बताया जाता है कि अमेरिकी पक्ष चाहता था पहले भारत अमेरिकी सामानों पर शुल्क कम करे, उसके बाद बाकी मसलों पर बातचीत हो। लेकिन भारत ने शुल्कों में बढ़ोतरी अमेरिका द्वारा भारतीय सामानों को विशेषाधिकार प्राप्त वस्तुओं की सूची से निकाले जाने के जवाब में की है। ऐसे में अमेरिकी कदम वापस लिए जाने से पहले भारत से शुल्क कम करने को कहना जायज कैसे हो सकता है? दरअसल इस गतिरोध की जड़ें दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों के स्वरूप में हैं।

अभी दोनों देशों के बीच करीब 126 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार होता है जिसमें भारत का निर्यात 77.2 अरब डॉलर का है और आयात 48.8 अरब डॉलर का। इस लिहाज से अमेरिका के हिस्से सालाना 28.4 अरब डॉलर का व्यापार घाटा है। लेकिन यह कागजी तस्वीर हकीकत से मेल नहीं खाती। असलियत यह है कि यह सिर्फ वस्तुओं के व्यापार का हिसाब है। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और फेसबुक जैसी अमेरिकी कंपनियों को और खासकर अमेरिकी बैंकों, बीमा कंपनियों और संस्थागत निवेशकों को भारत से होने वाली कमाई को नजर में रखें तो यह व्यापार घाटा कहीं नहीं ठहरता। दिक्क त सिर्फ एक है कि अमेरिका को भारत से होने वाली यह बेहिसाब कमाई वहां रोजगार नहीं पैदा करती, और चुनावी राजनीति का तकाजा यह है कि रोजगार हर हाल में पैदा होते दिखने चाहिए।

सामानों के उत्पादन और व्यापार के बजाय वित्तीय कारोबार को तरजीह देने की नीति अमेरिकी शासकों ने लंबे समय से अपना रखी है, लेकिन ट्रंप सरकार उसका ठीकरा भारत और अन्य देशों पर फोड़ते हुए उनके हितों की कीमत पर अतिरिक्त लाभ हासिल करने का जुगाड़ बना रही है। लेकिन व्यापार हमेशा दोतरफा मामला होता है। यह किसी की छाती पर चढ़कर नहीं किया जा सकता, अमेरिकी निजाम जितनी जल्दी यह बात समझ ले, उतना अच्छा।

आरबीआई ने एसबीआई पर 7 करोड़ का जुर्माना लगाया

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रिजर्व बैंक ने नियमों का उल्लंघन करने को लेकर देश के सबसे बड़े बैंक को 7 करोड़ का जुर्माना ठोका है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने यह बड़ा झटका सरकारी बैंक एसबीआई को दिया है। दरअसल, आरबीआई ने एसबीआई पर 7 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना एनपीए (नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स) और अन्य प्रावधानों से जुड़े नियमों का पालन नहीं करने को लेकर लगाया गया है। इसी तरह यूनियन बैंक ऑफ इंडिया पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगा है।

केंद्रीय बैंक के मुताबिक एसबीआई ने आय पहचान और संपत्ति वर्गीकरण (आईआरएसी) नियमों का पालन नहीं किया। इसके अलावा बैंक ने चालू खातों को खोलने और उसके परिचालन के लिए आचार संहिता को भी नजरअंदाज किया। केंद्रीय बैंक ने बताया कि एसबीआई पर धोखाधड़ी और उसकी रिपोर्टिंग

से जुड़े नियमों का पालन नहीं करने का भी आरोप है। आरबीआई द्वारा जांच रिपोर्ट और अन्य जरूरी दस्तावेज देखने के बाद बैंक को नोटिस दिया गया था। बैंक से मिले जवाब और व्यक्तिगत सुनवाई के बाद केंद्रीय बैंक ने जुर्माना लगाने का निर्णय किया गया।

इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक ने साइबर सुरक्षा से जुड़े निर्देशों का पालन नहीं करने के आरोप में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। रिजर्व बैंक की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि यह जुर्माना 9 जुलाई, 2019 को लगाया गया। केंद्रीय बैंक के मुताबिक यह कार्रवाई नियामकीय अनुपालन में खामियों की वजह से की गई है। इसका मकसद बैंक द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी करार या लेनदेन की वैधता पर सवाल उठाना नहीं है। आरबीआई ने बताया कि 2016 में बैंक की स्विफ्ट प्रणाली से निकले 17.1 करोड़ डॉलर मूल्य के 7 धोखाधड़ी वाले संदेशों पर रिपोर्ट के बाद उसके साइबर सुरक्षा ढांचे की जांच में कई खामियां पाई गई। इन निष्कर्षों के बाद बैंक को नोटिस जारी किया गया। बैंक की ओर से मिले जवाब और सुनवाई के दौरान उसकी दलीलों पर गौर करने के बाद केंद्रीय बैंक ने जुर्माना लगाने का फैसला किया।

पेट्रोल के दाम में वृद्धि पर लगा ब्रेक, डीजल के भाव भी स्थिर

नईदिल्ली (आरएनएस)। पेट्रोल के भाव में पिछले तीन दिनों से जारी वृद्धि का सिलसिला मंगलवार को थम गया। तेल विपणन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया है। डीजल के दाम में लगातार चौथे दिन स्थिरता बनी रही। उधर, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के भाव में भी मामूली तेजी के साथ कारोबार चल रहा

था। इंडियन ऑयल की बेवसाइट के अनुसार, दिल्ली, कोलकता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल के दाम पूर्ववत क्रमशः 73.21 रुपये, 75.55 रुपये, 78.82 रुपये और 76.03 रुपये प्रति लीटर रहे। चारों महानगरों में डीजल के दाम भी पूर्ववत क्रमशः 66.24 रुपये, 68.31 रुपये और 69.43 रुपये और 69.96 रुपये प्रति लीटर बने रहे।

उज्जवला योजना के 86 प्रतिशत लाभार्थी खरीद रहे दूसरा सिलेंडरः प्रधान

नईदिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना (पीएमयूवाई) के लगभग 86 प्रतिशत लाभार्थी दूसरा सिलेंडर खरीदने के लिए वापस आ रहे हैं। यह दावा सोमवार को पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने लोक सभा में किया। इस योजना के तहत गरीब परिवारों की महिलाओं को मुफ्त में एलपीजी कनेक्शन दिया जाता है। बता दें कि विपक्षी दलों की ओर से अकसर यह आरोप लगाए जाते रहे हैं कि इस योजना के तहत एक बार मुफ्त में कनेक्शन लेने के बाद उपभोक्ता दोबारा रिफिल नहीं करवा रहे हैं।

पेट्रोलियम मंत्री ने यह भी कहा कि पिछले पांच साल के दौरान तेल विपणन कंपनियों ने ग्राहकों को एलपीजी की आसान उपलब्धता के लिए 9000 से अधिक एलजीपी वितरकों की नियुक्ति की है। प्रधान ने कहा कि तेल विपणन कंपनियों के मुताबिक प्रधान मंत्री उज्जवला योजना के एक साल पुराने

लगभग 86 प्रतिशत लाभार्थियों ने दूसरा सिलेंडर खरीदा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के लाभार्थियों को लागू सब्सिडी पहल योजना के तहत सीधे उनके बैंक खाते में जमा की गई है।

प्रधान ने कहा कि योजना के तहत लाभार्थियों को एलपीजी सिलेंडर का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए तेल विपणन कंपनियों ने कई कदम उठाए हैं, जिसमें जरूरत के मुताबिक 14.2 किग्रा सिलेंडर के बदले 5 किग्रा सिलेंडर बदलने की सुविधा, एलपीजी उपयोग और इसके सुरक्षित इस्तेमाल के बारे में लाभार्थियों को शिक्षित करने के लिए प्रधान मंत्री एलपीजी पंचायत का आयोजन शामिल है।

कीमत बढ़ने से जून में बढ़ गया सोने-चांदी का आयात

नईदिल्ली (आरएनएस)। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में पिछले महीने महंगी धातुओं के भाव ऊंचे होने के बावजूद भारत में सोने-चांदी की मांग में कमी नहीं आई और पिछले साल के मुकाबले सोने के आयात का मूल्य 13 फीसदी बढ़ गया जबकि चांदी के आयात में 14 फीसदी से ज्यादा का इजाफा हुआ। हालांकि हाल ही में भारत में महंगी धातुओं पर आयात शुल्क में 2.5 फीसदी की वृद्धि होने के बाद इस महीने देश के हाजिर बाजार में सोने-चांदी की मांग में सुस्ती बताई जा रही है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल जून में भारत ने करीब 2.70 अरब डॉलर का सोना आयात किया जबकि एक साल पहले जून 2018 में देश में करीब 2.39 अरब डॉलर का सोना आयात हुआ था। इस प्रकार सोने के आयात में पिछले साल के मुकाबले 13.02 फीसदी की वृद्धि हुई।

वहीं, बीते महीने जून में 41.69 करोड़ डॉलर की चांदी का आयात किया गया जबकि पिछले साल इसी महीने चांदी के आयात का मूल्य 36.42 करोड़ डॉलर था। इस प्रकार चांदी का आयात इस साल जून में पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 14.47 फीसदी बढ़ गया। अंतर्राष्ट्रीय वायदा बाजार कॉमेक्स पर इस साल जून में सोने का मासिक औसत भाव 1,361.76 डॉलर प्रति औंस रहा है जबकि पिछले साल जून में सोने का औसत भाव 1,315.09 डॉलर प्रति औंस रहा।

यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री जून में 4.6 प्रतिशत घटीः फाडा

नईदिल्ली (आरएनएस)। वाहन डीलरों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के मुताबिक जून में यात्री वाहनों की संख्या 4.6 प्रतिशत घटकर 2,24,755 इकाइयों पर रही। फाडा के मुताबिक जून, 2018 में 2,35,539 यात्री वाहनों की बिक्री हुई थी। वहीं दोपहिया वाहनों की बिक्री भी पिछले महीने पांच प्रतिशत की गिरावट के साथ 13,24,822 इकाइयों पर रही। यह आंकड़ा पिछले साल जून में 13,94,770 इकाइयों पर रहा था। संगठन के मुताबिक वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 19.3 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ 48,752 इकाइयों पर रही, जो पिछले साल इसी महीने में 60,378 इकाइयों पर रही थी। फेडरेशन के आंकड़े के मुताबिक तिपहिया वाहनों की बिक्री 2.8 फीसदी की गिरावट के साथ 48,447 वाहनों पर रही।

आज का राशिफल

मेषः- आप धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में सहयोग करेंगे। यदि आप व्यापार कर रहे हैं तो आपके व्यापार में आज कुछ नए परिवर्तन होंगे, जिससे आगे चलकर आपको लाभ होगा।

वृषभः- सांसारिक सुख-भोग और नौकर चाकरों से असहयोग से परेशानी हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन और सफलता मिलने की उम्मीद है।

मिथुनः- आज आपमें अपने कार्य के प्रति लगन रहेगी एवं रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। आप नए कार्यों में विनियोग करेंगे। वाहन खराब होने से अकस्मात खर्चा बढ़ेगा।

कर्कः- आज आप अधिकांश क्रियाकलापों में लिप्त रहेंगे। भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी। आपकी बुद्धि विवेक, नए-नए कार्यों की खोज करने में लगेगी।

सिंहः- आपको बहुमूल्य वस्तु से लाभ प्राप्त होगा। नए व्यापार के लिए नई योजनाएं बनेंगी जो आगे चलकर धन लाभ कराएंगी। आज आपको भाई-बहनों का सुख व सहयोग प्राप्त होगा।

कन्याः- कार्यक्षेत्र में आज जबरदस्त उछाल आपको दिखाई पड़ेगा। आप अपने जूनियर्स के लिए भी थोड़ा सा प्रोटेक्टिव महसूस करेंगे।

तुलाः- अधिक परिश्रम करने के कारण स्वास्थ्य कुछ नरम रहेगा। परिवार से शुभ समाचार मिलने के संकेत हैं। यदि आप नौकरी करते हैं तो आपके अधिकारों में वृद्धि होगी।

वृश्चिकः- आज का दिन मिश्रित फलकारक है। अनावश्यक खर्चे सामने आएंगे, जो आपकी खिन्नता को बढ़ा देंगे। सायंकाल के समय कोई खुशखबरी मिलने से आपका उत्साह बढ़ेगा।

धनुः- दिन का कुछ समय सामाजिक क्रियाकलापों में लगेगा। भौतिक सुख सुविधाओं में कुछ कमी आ सकती है। रुके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है।

मकरः- व्यापार की दृष्टि से आज का दिन अनुकूल रहेगा। कानूनी विवाद में सफलता, स्थान परिवर्तन की योजना सफल हो सकती है।

कुंभः- आज का दिन आपके लिए भविष्य की नवीन संभावनाओं को लेकर आ रहा है। आपकी रूचि आध्यात्मिक, आपके अच्छे कर्मों से आपके खानदान का नाम ऊंचा होगा।

मीनः- जो भी काम लगन के साथ करेंगे, उस का फल उसी समय मिल सकता है। अधूरे काम निपट जाएंगे, महत्वपूर्ण चर्चाएं होंगी।

निशानेबाजी में इलावेनिल ने 10 मीटर एयर राइफल में जीता स्वर्ण

सुहल,जर्मनी,(आरएनएस)। इलावेनिल वालारिवान ने सोमवार को जूनियर विश्व कप में हमवतन मेहुली घोष को 1.4 अंकों के अंतर से हरा स्वर्ण पदक अपने पास रखा है। इलावेनिल ने फाइनल में 251.6 का स्कोर किया। क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहने वाली मेहुली को दूसरे स्थान पर ही रोक दिया गया। फ्रांस की मारियाने मुलर के हिस्से कांस्य पदक आया।

इलावेनिल और मेहुली ने श्रेया अग्रवाल के साथ 625.4 के स्कोर के साथ टीम स्पर्धा का स्वर्ण भी हासिल किया। इन तीनों ने मिलकर

1883.3 का स्कोर किया जो जूनियर विश्व रिकार्ड भी है। इसी के साथ भारत ने इस टूर्नामेंट में पदक तालिका में पहला स्थान हासिल किया है। भारत के हिस्से छह स्वर्ण, छह रजत और दो कांस्य पदक आए हैं। रूस और नार्वे को दो स्वर्ण पदक मिले हैं जबकि चीन, आस्ट्रिया, थाईलैंड और जर्मनी के हिस्से एक-एक स्वर्ण पदक आया। जूनियर पुरुष ट्रैप स्पर्धा में भोवनेश मेहंदीरत्ता ने 116 का स्कोर किया लेकिन फाइनल में जाने से तीन अंक से चूक गए।

आईसीसी द्वारा जारी वर्ल्ड कप की टीम में विराट-धोनी समेत कई दिग्गजों को जगह नहीं

दुबई (आरएनएस)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2019 के विश्वकप को लेकर टीम ऑफ द टूर्नामेंट का ऐलान किया है। आईसीसी की टीम ऑफ द टूर्नामेंट में भारत के दो खिलाड़ियों को शामिल किया है। आईसीसी ने अपनी विश्वकप एकादश में भारत के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विश्व के नंबर एक एकदिवसीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को अपनी टीम में शामिल किया है। रोहित ने इस विश्वकप में पांच शतक लगाकर किसी भी विश्वकप में सबसे ज्यादा शतक बनाने का रिकॉर्ड बनाया था। रोहित और बुमराह के अलावा आईसीसी ने इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जैसन रॉय, न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन, इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रुट, बंगलादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल-हसन, इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स, ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर एलेक्स कैरी, ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क, इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफा आर्चर और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लोकी फर्ग्युसन को भी अपनी विश्व एकादश में जगह दी है। टीम में

विराट कोहली, महेंद्र सिंह धोनी, भुवनेश्वर कुमार, एरॉन फिंच, डेविड वॉर्नर, जॉनी बेयरस्टो सहित कई दिग्गज खिलाड़ियों का नाम शामिल नहीं किया गया है।

जैसन ने इस विश्वकप में 443 रन, रोहित ने 648 रन, विलियम्सन ने 578 रन, रुट ने 556 रन, शाकिब ने 606 रन, स्टोक्स ने 465 रन और कैरी ने 375 रन बनाए जबकि स्टार्क ने कुल 27 विकेट , आर्चर ने 20 विकेट, फर्ग्युसन ने 21 विकेट और बुमराह ने 18 विकेट झटके थे।आईसीसी ने अपनी विश्व एकादश में सर्वाधिक चार खिलाड़ी 2019 विश्वकप के मेजबान और चैंपियन इंग्लैंड की टीम से लिए हैं जबकि विश्वकप की उपविजेता रही न्यूजीलैंड से दो खिलाड़ी और सेमीफाइनल तक पहुंची भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमों से भी दो-दो खिलाड़ियों को शामिल किया है।

दही आलू की स्वादिष्ट सब्जी

सामग्री :

आलू- 7-8 छोटे साइज का, दही- 6-7 बड़े चम्मच, देसी घी- 2 चम्मच, जीरा- आधा छोटा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर- 1/2 चम्मच, अदरक- 1 छोटा चम्मच, हरी मिर्च- 1 छोटा चम्मच (बारीक कटा), हरा धनिया- 1 छोटा चम्मच, टमाटर- 1 बारीक कटा, नमक- स्वादानुसार, पानी- आवश्यकतानुसार

विधि :

आलू को उबाल कर छील लें। अब इन्हें छोटे टुकड़ों में काट लें। सेंधा नमक, लाल मिर्च पाउडर, काजू पाउडर और योगर्ट मिलाएं और अच्छी तरह फेंटें। पानी मिलाकर छान लें और एक तरफ रख दें।

एक कड़ाही में देसी घी गर्म करें और जीरा डालें, जीरा चटकने पर कटी अदरक डालें और एक मिनट तक भूनें। कटी हरी मिर्च और टमाटर डालकर दो मिनट तक और पकाएं और कटे आलू डालें।

2-3 मिनट तक पकने दें। जब आलू हल्के भुन जाएं तो कड़ाही को आंच से उतार लें और फेंटा हुआ दही डाल दें।

कड़ाही को फिर आंच पर रखें और जितनी ग्रेवी चाहिए, उतना पकाएं। कटे हरे धनिए से सजाकर गर्मागर्म परोसें।

शब्द सामर्थ्य- 27

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

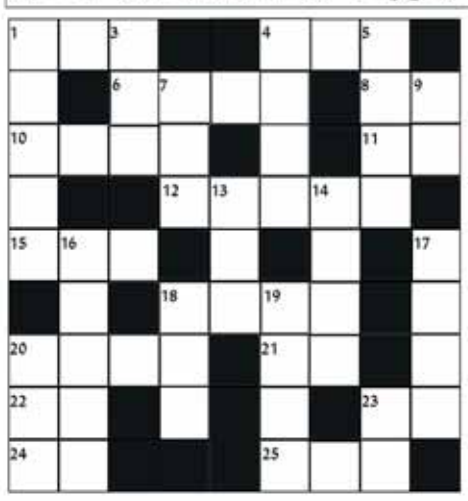

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 26 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	ट्टू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

सू-दोकू- 27

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.26 का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5